# अदिवी सेश ने 'डकैत ' की फाइनल शूटिंग पूरी की

**अभिनेता**-लेखक अदिवी सेश ने अपनी आने वाली फिल्म 'डकैत ' का आखिरी शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है. इसके साथ ही मार्च में होने वाली फेस्टिव रिलीज़ से पहले फिल्म ने एक अहम मुकाम हासिल कर लिया है. अब फिल्म अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और दर्शकों के और भी क़रीब आ गई है, जो लंबे समय से इसका इंतज़ार कर रहे हैं.

अपनी बारीक कहानी कहने की शैली के लिए पहचाने जाने वाले अड़ीवी सेश इस फिल्म से हर स्तर पर जुड़े रहे हैं, लेखन से लेकर अभिनय तक. उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि फिल्म की भावनात्मक गहराई और कहानी की सच्चाई बनी रहे. फाइनल शेड्यूल में कहानी के अहम हिस्सों की शूटिंग पूरी की गई, जिसके बाद अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए तैयार है और रिलीज़ की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है.

फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर अड़ीवी सेश ने कहा, ' डकैत की आखिरी शूटिंग पूरी करना मेरे लिए किसी सपने जैसा और बेहद भावुक पल है. यह सफर शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक तौर पर काफी चुनौतीपूर्ण रहा है. पहली ड्राफ्ट लिखने से लेकर आज इस मुकाम तक पहुंचने में हर चरण में पूरी ईमानदारी और मेहनत लगी है. अब जब फाइनल शेड्यूल खत्म हुआ है, तो एक सुकून और संतोष का एहसास है कि हमने इस कहानी को अपना सब कुछ दिया है.' उन्होंने कहा, 'डकैत मेरे लिए सिर्फ़ एक और फिल्म नहीं है. यह कहानी उन रातों में मेरे साथ रही जब मैं लिख रहा था और उन दिनों में भी जब मुश्किल हालात में शूटिंग हो रही थी.

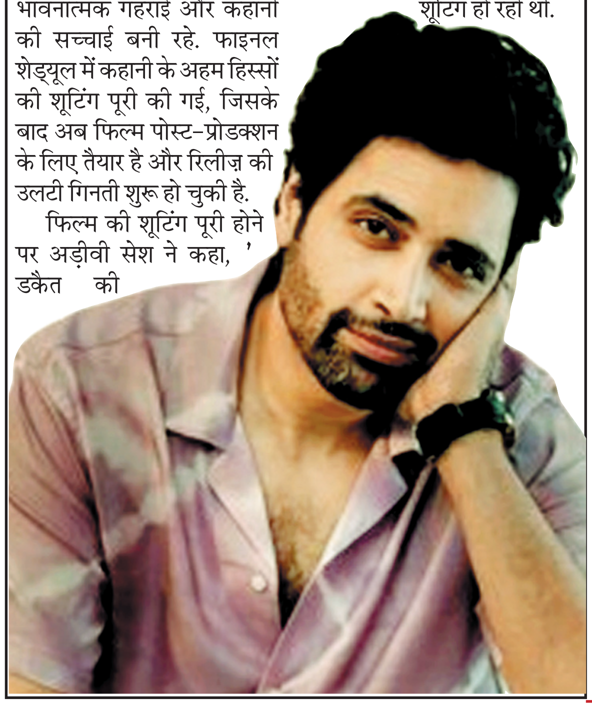

# आर्य से बदला लेने आया डॉक्टर मोहित

**सीरियल** 'तुम से तुम तक' का मौजूदा ट्रैक दर्शकों को भावनात्मक झूले पर झुला रहा है. कहानी में आर्य और अनु का अलग होना सिर्फ दो लोगों की जुदाई नहीं, बल्कि प्यार और फर्ज के बीच की जंग बन चुका है. हाल ही में दिखाया गया कि अनु का रिश्ता डॉक्टर मोहित से तय हो जाता है, और यह फैसला वह अपनी मर्जी से लेती है — लेकिन इसके पीछे की वजह उसके पिता की बिगड़ती तबीयत है.

आर्य जब यह सच सुनता है, तो उसका दिल टूट जाता है, लेकिन फिर भी वह अनु से आखिरी बार मिलने की इच्छा रखता है. ऑफिस के केबिन में हुई यह मुलाकात सीरियल के सबसे इमोशनल सीन में से एक बन जाती है. अनु स्वीकार करती है कि वह आज भी आर्य से प्यार करती है, लेकिन हालात उसे यह रिश्ता छोड़ने पर मजबूर कर रहे हैं.

आर्य का रिएक्शन दर्शकों का दिल जीत लेता है. वह कहता है कि अगर वह भी अनु की जगह होता, तो सबसे पहले अपने माता-पिता को चुनता. आर्य अनु से वादा करता है कि वह उसकी शादी में कभी रुकावट नहीं बनेगा और जिंदगी भर उसके हर फैसले के साथ खड़ा रहेगा. यह सुनकर अनु खुद को संभाल नहीं पाती और रोते हुए वहां से चली जाती है.

# महाशिवरात्रि पर रिलीज होगा 'नागबंधम' का टीजर

**फिल्म** 'नागबंधम' का टीज़र महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 फरवरी को रिलीज होगा. वर्ष 2026 की सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाली पैन-इंडिया फिल्मों में शामिल फिल्म नागबंधम हर नए अपडेट के साथ दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा रही है. मेकर्स लगातार दमदार पोस्टर्स और कैरेक्टर रिवील्स के ज़रिए माहौल बना रहे हैं. मेल लीड का कैरेक्टर पोस्टर सामने आने के बाद अब फोकस फीमेल लीड नभा नतेश पर गया है, जिनका पार्वती के रूप में पहला लुक सामने आते ही फैंस को खूब पसंद आ रहा है.

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का टाइटल नागबंधम, जिसके साथ टैगलाइन है 'द सेक्रेट ट्रेजर', कहानी में छिपे रहस्य, पौराणिक पहलू और अनदेखे सच की ओर इशारा करता है. एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब टीज़र रिलीज़ की तारीख भी अनाउंस कर दी है, जो शुभ अवसर महाशिवरात्रि के दिन होगी, और इसके साथ शेयर किया गया है एक दमदार कैप्शन जो फिल्म की दिव्य कहानी की झलक देता है,

'जब भगवान शिव जागते हैं, तो एक भूला हुआ रहस्य भी करवट लेता है,

नागबंधम टीज़र 15 फरवरी को इस महाशिवरात्रि, एक दिव्य रहस्य से उठेगा पर्दा..!!हर हर महादेव 'इससे पहले मेकर्स फिल्म की एक झलक भी शेयर कर चुके हैं, जिसमें टाइटल, शानदार विज़ुअल इफेक्ट्स और दमदार बैकग्राउंड स्कोर देखने को मिला था. जो भी सामने आया है, उससे साफ है कि नागबंधम हर लिहाज़ से भव्य और बड़े स्तर की फिल्म होने वाली है.

# तुलसी कुमार और अपारशक्ति ने रोमांटिक ट्रैक में साथ किया काम

**तुलसी** कुमार और अपारशक्ति खुराना ने रोमांटिक ट्रैक 'निक्की निक्की गल' में साथ काम किया है. 'निक्की निक्की गल' दिल को छू लेने वाला रोमांटिक ट्रैक है.

साक्षी रत्ती द्वारा रचित और लिखित, तथा तानी तनवीर के सिनेमैटिक निर्देशन में बना 'निक्की निक्की गल' सुर, भावना और कहानी को बेहद सहजता से पिरोता है. म्यूज़िक वीडियो में तुलसी और अपारशक्ति की बेहतरीन केमिस्ट्री चमकती है, जबकि हर सुर, हर बोल और हर फ्रेम इस ट्रैक की नॉस्टैल्जिक खूबसूरती को और निखारता है.

तुलसी कुमार ने साझा किया, 'मैंने 'निक्की निक्की गल' इसलिए चुना क्योंकि इसने मुझे पुराने ज़माने के रोमांस की यादों में लौटा दिया. यह उन छोटी-छोटी बातों के बारे में है जो सच में मायने रखती हैं. एक साझा मुस्कान, एक खामोश पल. अपारशक्ति के साथ काम करना बेहद मज़ेदार रहा; उनकी एनर्जी ने हर टेक को सहज और नैचुरल बना दिया. कश्मीर में शूटिंग ने पूरे अनुभव में एक जादुई सुकून जोड़ दिया. मीर देसाई की मिनिमलिस्ट लेकिन गहराई से प्रभावशाली प्रोडक्शन ने भावनाओं को बिना दबाए खुलकर सांस लेने दी, जबकि साक्षी रत्ती की खूबसूरत रचना ने माहौल को बिल्कुल परफेक्ट बना दिया. और तानी तनवीर ने, हमेशा की तरह, विज़न को बिल्कुल सही पकड़ा. उनकी सिनेमैटिक प्रस्तुति सरल, ईमानदार और दमदार है, जो कहानी की आत्मा को पकड़ती है.

# फिल्म धुरंधर : द रिवेंज का टीजर रिलीज

**बॉलीवुड** स्टार रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधरकी सीक्वल धुरंधर: द रिवेंज का टीज़र रिलीज हो गया है.

टीजर की शुरुआत में रणवीर सिंह छोटे बालों वाले लुक में नजर आते हैं. छोटे बाल और हाथ में बंदूक लिए रणवीर सिंह काफी खतरनाक लगते हैं. इसके बाद रणवीर फिर हमजा अली मजारी के किरदार में लंबे बालों वाले लुक में दिखते हैं. टीजर में रणवीर 'धुरंधर' से भी ज्यादा खतरनाक लग रहे हैं. टीजर में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन की भी झलक देखने को मिलती है. टीजर के अंत में - टीज़र में रणवीर सिंह सिर्फ 'धुरंधर' नहीं बल्कि उससे कई गुना ज्यादा खतरनाक लग रहे हैं. बैकग्राउंड स्कोर, तेजी से बदलते सीन और जबरदस्त एक्शन झलकियां फिल्म के टोन को साफ कर देती हैं. टीज़र में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन की झलक भी दिखाई गई है, जिससे साफ है कि फिल्म में पावरफुल स्टारकास्ट एक बार फिर कहानी को मजबूत करने वाली है.

रणवीर सिंह का किरदार कहता है, 'ये नया हिंदुस्तान है, ये घर में घुसेगा भी और मारेगा भी.'

धुरंधर' और 'धुरंधर: द रिवेंज' को आदित्य धर ने लिखा और निर्देशित किया है. इसका निर्माण ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले किया है. यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी.

फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह,अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन, सारा अर्जुन और अर्जुन रामपाल ने अहम भूमिका निभाई थी.

# यश की 'टॉक्सिक' बनी मोस्ट अवेटेड फिल्म

**रॉकिंग** स्टार यश की 'टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों की सूची में टॉप पर पहुंच चुकी है. रियल टाइम पॉपुलैरिटी में 28 प्रतिशत की दमदार हिस्सेदारी के साथ यह साफ इशारा है कि दर्शक किसी आम फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई इवेंट के लिए खुद को तैयार कर चुके हैं. इस दीवानगी की एक बड़ी वजह फिल्म की वह झलक है जिसने आते ही माहौल गर्म कर दिया.

अपने जन्मदिन पर यश ने जो टीज़र रिलीज़ किया, वह सिर्फ एक झलक नहीं बल्कि पूरा धमाका था. इतना बेखौफ, इतना ग्लोबल और इतना बेबाक कि उसने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री को उसकी कंफर्ट ज़ोन से बाहर खींच लिया. जानलेवा और अल्ट्रा कूल 'राया' के अवतार में यश ने साफ कर दिया कि वह गैंगस्टर वाले एटिट्यूड के साथ गेम बदलने आए हैं. जब फिल्म का टाइटल पहली बार सामने आया था, तब वह शरारती और उकसाने वाला लगा था, लेकिन किरदार की झलक के बाद एक बात बिल्कुल साफ हो गई कि यह मज़ाक नहीं है. इंटरनेशनल ट्रीटमेंट, बेधड़क वीएफएक्स और दमदार विज़ुअल 'टॉक्सिक' को ऐसी फिल्म के रूप में खड़ा कर दिया है जो सरहदों से आगे देखने का साहस रखती है.

इस रहस्यमयी दुनिया को और गहराई देता है इसका दमदार कलाकारों का समूह. कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसे पावरहाउस परफॉर्मर्स के साथ यह फिल्म सिर्फ एक स्टार शोकेस नहीं, बल्कि किरदारों से भरी एक लेयर्ड यूनिवर्स बनकर उभरती है. दमदार टीज़र, इंटरनेशनल क्राफ्ट और निडर कहानी के साथ 'टॉक्सिक' ने यह सवाल छेड़ दिया है कि भारतीय सिनेमा अब किस दिशा में बढ़ रहा है. और यदि झलक कुछ कहती है, तो यश की यह फेयरीटेल खतरनाक है और कमजोर दिल वालों के लिए बिल्कुल नहीं.

# तुलसी ने बचाया विरानी इंडस्ट्रीज को

'**क्योंकि** सास भी कभी बहू थी 2' के अपकमिंग एपिसोड्स में दर्शकों को एक के बाद एक बड़े झटके मिलने वाले हैं. लीप के बाद जहां कहानी तेजी से आगे बढ़ी है, वहीं अब मेकर्स ने मेगा ट्विस्ट के जरिए ड्रामा को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है. हाल ही में जारी प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि विरानी इंडस्ट्रीज और शांति निकेतन नीलामी की कगार पर पहुंच चुके हैं.

मिहिर विरानी पर भारी कर्ज होने की वजह से न सिर्फ उसका बिजनेस बल्कि उसका घर भी हाथ से जाने वाला होता है. लेकिन तुलसी विरानी, जिसका इस घर से भावनात्मक रिश्ता रहा है, यह सब होते हुए नहीं देख पाती. प्रोमो में साफ दिखाया गया है कि तुलसी नीलामी रुकवा देती है और विरानी इंडस्ट्रीज को बचा लेती है.

# शो 'गणेश कार्तिकेय' के 100 एपिसोड हुए पूरे

**सोनी** सब के शो गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय के 100 एपिसोड पूरे हो गए हैं. शो गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय दर्शकों को भगवान गणेश (निर्णय समाधिया) और शिव परिवार की कहानियों से लगातार मोहित कर रहा है. आध्यात्मिक भव्यता को गर्मजोशी भरे, सहज पारिवारिक पलों के साथ जोड़ते हुए यह शो खूबसूरती से दर्शाता है कि किस प्रकार दिव्य परिवार प्रेम, जिम्मेदारी और संघर्ष का अनुभव करता है

शो के 100 एपिसोड पूरे होने के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, पूरी टीम कृतज्ञता के साथ इस उपलब्धि का उत्सव मना रही है.

शो में देवी पार्वती की भूमिका निभा रही श्रेनु पारिख ने कहा, 'देवी पार्वती की यात्रा अत्यंत भावनात्मक है.वह एक माँ हैं, मार्गदर्शक हैं और शक्ति का स्रोत हैं. ऐसे शो का हिस्सा होना, जो दिव्य कथा के माध्यम से पारिवारिक बंधनों को उजागर करता है, मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा है. 100 एपिसोड का यह पड़ाव जितना हमारी टीम का है उतना ही हमारे दर्शकों का भी है, क्योंकि उनकी श्रद्धा और स्नेह हमें हर दिन प्रेरित करता है. '

## कृषि जगत

# रागी: स्वास्थ्य और ताकत का प्राकृतिक स्रोत

**रागी,** जिसे मीलेट या फॉक्सटेल मिलेट भी कहा जाता है, एक ऐसा अनाज है जो न केवल स्वाद में हल्का है, बल्कि सेहत के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है. यह कैल्शियम, फाइबर, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है. रागी का नियमित सेवन हड्डियों की कमजोरी और ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है, खासकर बुजुर्गों और बच्चों में.

रागी का उच्च फाइबर कंटेंट पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है. यह कब्ज, पेट की गैस और अम्लता जैसी समस्याओं से राहत देता है. साथ ही, इसका फाइबर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे डायबिटीज़ रोगियों के लिए यह एक आदर्श अनाज बन जाता है. रागी ग्लाइसेमिक इंडेक्स में कम होने के कारण खाने के बाद शुगर स्तर अचानक नहीं बढ़ने देता. इसके अलावा रागी में आयरन की मात्रा अधिक होने की वजह से यह एनीमिया को दूर रखने में सहायक है. रक्त में हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाने में रागी मदद करता है, जिससे थकान और कमजोरी जैसी समस्याएं कम होती हैं.रागी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स हृदय रोगों से बचाव करते हैं. यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है और ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखता है.

# मौसम कोई भी हो, बीन्स देगी बंपर पैदावार

**खेती** अब सिर्फ मौसम पर निर्भर रहने का काम नहीं रह गया है. बदलते समय के साथ किसान भी स्मार्ट तकनीकों को अपनाकर साल भर मुनाफा कमा रहे हैं. बीन्स की खेती अब उन किसानों के लिए वरदान बन रही है, जो कम समय में ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं. यह फसल न केवल जल्दी तैयार होती है, बल्कि इसकी बाजार में मांग भी पूरे साल बनी रहती है. सीतामढ़ी के किसान दिनेश सहनी बताते हैं कि सही तकनीक अपनाकर बीन्स की खेती को 12 महीने सफलतापूर्वक किया जा सकता है.

पहली और सबसे जरूरी ट्रिक है मल्चिंग तकनीक. चाहे कड़ाके की ठंड हो या भीषण गर्मी, मल्चिंग मिट्टी में नमी बनाए रखती है और तापमान को संतुलित करती है. इससे पौधों की जड़ें सुरक्षित रहती हैं और फसल हर मौसम में अच्छी बढ़त करती है.

दूसरी अहम बात है जल निकासी का सही इंतजाम. बीन्स की फसल को जलभराव बिल्कुल पसंद नहीं है. पौधों के पैरों में हल्की मिट्टी चढ़ाने से जड़ें मजबूत होती हैं और बारिश या अधिक सिंचाई के दौरान पानी जमा नहीं होता. इससे रोग लगने का खतरा भी कम हो जाता है.

तीसरी ट्रिक है संतुलित खाद प्रबंधन. गोबर की खाद, कंपोस्ट और मिक्सर खाद का सही अनुपात मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखता है. इससे जमीन कभी थकती नहीं और लगातार अच्छी पैदावार मिलती है.

इन चार आसान लेकिन असरदार तरीकों को अपनाकर किसान न सिर्फ साल भर बीन्स की खेती कर सकते हैं, बल्कि अपनी आय को भी दोगुना कर सकते हैं. आज के समय में यह खेती किसानों के लिए कमाई का एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रही है.

चौथी और आखिरी ट्रिक है समय पर देखरेख. नियमित निराई-गुड़ाई, कीट नियंत्रण और रोगों की पहचान समय रहते कर लेने से फसल को नुकसान नहीं होता. सही देखभाल के साथ बीन्स की फसल मात्र दो महीने में तुड़ाई के लिए तैयार हो जाती है.

# सही प्रबंधन से मछली पालन लाभकारी

**मछली** पालन आज किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए लाभकारी व्यवसाय बन चुका है. लेकिन इसका फायदा तभी मिलता है जब मछलियों की सही देखभाल और प्रबंधन किया जाए. मछली पालन में पानी की गुणवत्ता, पोषण और स्वास्थ्य पर ध्यान रखना सबसे अहम होता है.

सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि तालाब या टैंक की गहराई और पानी का स्तर मछलियों के लिए अनुकूल हो. पानी की नियमित जांच और ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति से मछलियां स्वस्थ रहती हैं और उनकी वृद्धि अच्छी होती है. तालाब का पानी साफ और संक्रमण रहित होना चाहिए, इसलिए नियमित रूप से पानी बदलना और तालाब की सफाई करना जरूरी है.

मछलियों के लिए संतुलित आहार देना भी महत्वपूर्ण है. केवल घर का खाना या अधूरी गुणवत्ता वाला फीड देने से मछलियों की वृद्धि धीमी पड़ सकती है. उच्च प्रोटीन युक्त फीड और समय पर भोजन मछलियों के स्वास्थ्य और वजन बढ़ाने में मदद करता है.

इसके अलावा, मछलियों की बीमारी और कीट नियंत्रण पर भी ध्यान देना जरूरी है. रोग के शुरुआती संकेत जैसे धीमी गति, कम भोजन या रंग बदलना, समय रहते पहचानना चाहिए. यदि कोई बीमारी दिखे तो तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लेकर सही दवा या उपाय अपनाएं.

तालाब के किनारे और आसपास की साफ-सफाई भी मछलियों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है. तालाब के आसपास घास या कीट इकट्ठा न होने दें और कीट-मुक्त वातावरण बनाए रखें.

मछली पालन में नियमित निगरानी और देखभाल से न केवल मछलियों की आयु और स्वास्थ्य बढ़ता है, बल्कि फसल की पैदावार भी लगातार बनी रहती है. सही देखभाल के साथ मछली पालन में निवेश जल्दी लौटता है और लागत कम रहती है.

# शिटाके मशरूम : स्वाद और सेहत दोनों का खजाना

**जापानी** शिटाके मशरूम की खेती आज छोटे और बड़े दोनों किसानों के लिए बेहद लाभकारी विकल्प बन चुकी है. यह मशरूम न केवल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि कम समय में अधिक मुनाफा देने की क्षमता भी रखती है. शिटाके मशरूम लकड़ी के बुरादे या पैकिंग बैग में उगाई जाती है और इसमें प्रोटीन, खनिज और बीटा ग्लूकान भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं.

इस मशरूम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह केवल 30-35 दिन में तुड़ाई के लिए तैयार हो जाती है. इसकी बाजार में कीमत भी अधिक होती है, और प्रति किलो ?1000 तक बिकने की संभावना रहती है. कम समय में अच्छी आमदनी मिलने की वजह से यह खेती छोटे शेड या सीमित जगह वाले किसानों के लिए भी उपयुक्त है.

शिटाके मशरूम की खेती में अधिक भूमि की जरूरत नहीं होती. इसे टीन शेड, घर के कमरे या छोटे फार्म पर भी उगाया जा सकता है. मौसम के अनुसार इस फसल को नियंत्रित तापमान और नमी वाले वातावरण में उगाना आसान है. मल्चिंग और सही जल निकासी के साथ पौधों की जड़ें मजबूत रहती हैं और रोगों का खतरा कम होता है.

कम निवेश, जल्दी तैयार होने वाली और उच्च मांग वाली होने की वजह से शिटाके मशरूम की खेती से किसान अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं. यह खेती न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी एक लाभकारी उत्पादन साबित होती है. इस प्रकार, जापानी शिटाके मशरूम की खेती आज के समय में किसानों के लिए एक स्मार्ट और लाभकारी विकल्प बन गई है. कम जगह, कम समय और उच्च मुनाफे की वजह से यह पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक आकर्षक और स्थायी व्यवसाय के रूप में उभर रही है.

इस मशरूम की मांग लगातार बढ़ रही है. स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ता इसे अधिक पसंद कर रहे हैं, जिससे किसानों को स्थिर और अधिक लाभकारी बाजार मिलता है. इसके अलावा, यह फसल बार-बार उपज देती है, जिससे साल में कई चक्रों में आमदनी हो सकती है.